महात्मा फुले शिक्षण संस्था संचलित,

# कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपूर

## हिंदी विभाग आयोजित

## एक दिवसीय राष्ट्रीय चर्चा सत्र अहवाल

दि .05 /10/20

**आदरणीय महोदय महोदया,**

हमारे कॉलेज में **शनिवार, दि. 5 अक्टूबर, 2024** को शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद, हिंदी विभाग एवं IQAC कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, इस्लामपुर के संयुक्त तत्वावधान में **'भाषा और साहित्य का सामाजिक सरोकार : विविध आयाम'** इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद के नवम वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है. अतः आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है.

**संगोष्ठी के बारे में :-**

भाषा और साहित्य का समाज से गहरा सरोकार होता है. साहित्यकार समाज का अभिन्न अंग होता है. वह अपनी रचनाओं में समकालीन सामाजिक, राजनीतिक धार्मिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक परिवेशका चित्रण करते हुए समाज को नई दिशा प्रदान कर परिवर्तन लाने का प्रयास करता है. समकालीन परिवेश में मानवीय मुल्यों का हो रहा विघटन, विद्रूप बनती संस्कृति, गलत सामाजिक रूढी, प्रथा एवं परंपरा, गंदी राजनीति, पर्यावरण विघटन, शिक्षा का घटता स्तर और धार्मिक धर्मांधता आदि को समाज के सन्मुख रख परिवर्तन लाना तथा आदर्श समाज रचना हेतु **"भाषा और साहित्य का सामाजिक सरोकार : विविध आयाम"** इस विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रतिभागियों को चिंतन-मनन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी.

**कॉलेज और विभाग के बारे में :**

महात्मा फुले शिक्षण संस्था के कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर की स्थापना सन 1961 ई. में ग्रामीण समाज को उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु की गई थी। यह सात एकड़ क्षेत्र में सुसज्जित बुनियादी ढांचे के साथ स्थित है। कॉलेज हर साल यू.जी. के 20 और पी. जी. स्तर के 09 पाठ्क्रमों के माध्यम से करीब 3000 छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। कॉलेज का लक्ष्य हमारे छात्रों की आलोचनात्मक क्षमता, कार्य नैतिकता और व्यक्तित्व का विकास करना रहा है। इस कॉलेज का **'कर्मवीर स्पर्धा परीक्षा केंद्र'** पश्चिम महाराष्ट्र का विख्यात केंद्र है. एनएसएस, एनसीसी (लड़के और लड़कियां), खेल और सांस्कृतिक इकाई के माध्यम से कॉलेज द्वारा संचालित सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्रों की सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

कॉलेज में हिंदी स्नातक विभाग की स्थापना सन 1971 ई. में और सन 1993 ई. में स्नातकोत्तर विभाग की स्थापना हुई. सन 2016 ई. से हिंदी विभाग में मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम चलाया जाता है. विभाग के कई छात्र सेट/नेट आदि पात्रता परीक्षा और पीएच.डी. जैसी उपाधि प्राप्त कर विभिन्न महाविद्यालयों में अध्यापन की सेवा कर रहे हैं. साथ ही कई छात्र एमपीएससी/यूपीएससी जैसी कई प्रतियोगिता परीक्षा देकर प्रशासकीय सेवा में कार्यरत हैं. विभाग में हर साल कई विशेष विशेषज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन किया जाता हैं साथ ही छात्रों को विभिन्न समूह चर्चा, सेमिनार, कार्यशालाओं, संम्मेलनों आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता हैं.

**एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य विषय :**

**'भाषा और साहित्य का सामाजिक सरोकारः विविध आयाम'**

उप विषय :

- हिंदी उपन्यास साहित्य और सामाजिक सरोकार
- हिंदी कहानी साहित्य और सामाजिक सरोकार
- हिंदी नाटक साहित्य और सामाजिक सरोकार
- हिंदी कविता साहित्य और सामाजिक सरोकार
- हिंदी कथेतर साहित्य और सामाजिक सरोकार

विषय से संबंधित अन्य विधाओं पर भी शोधालेख प्रस्तुत कर सकते हैं

## उद्घाटक

**मा. सरोज पाटील (माई)**
जनरल सेक्रेटरी,
महात्मा फुले शिक्षण संस्था,
उरुण-इस्लामपुर

## प्रमुख उपस्थिति

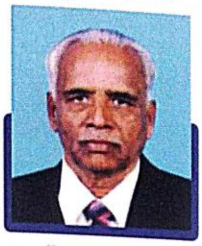

**मा. ॲड. एन. आर. पाटील (काका )**
अध्यक्ष,
महात्मा फुले शिक्षण संस्था,
उरुण-इस्लामपुर

## प्रमुख उपस्थिति

**मा. सुनील पाटील (साहेब)**
उपाध्यक्ष,
महात्मा फुले शिक्षण संस्था,
उरुण-इस्लामपुर

## बीजभाषक

**प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण**
जेष्ठ हिंदी समीक्षक एवं सिहित्यिक
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर

## मुख्य अतिथि

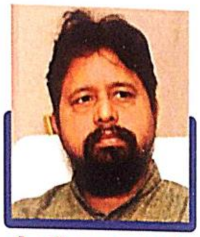

**प्रो. (डॉ.) हूबनाथ पाण्डेय**
प्रसिद्ध कवी एवं समीक्षक,
पूर्व प्रोफेसर, हिंदी विभाग,
मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई

## विशेष अतिथि

**प्रो. विजयकुमार पाटील**
हिंदी विभाग प्रमुख,
रानी पार्वती देवी पदवी
कॉलेज तिलकवाड़ी,
बेलगांव-(कर्नाटक)

## हमारे मार्गदर्शक

**मा. सरोज पाटील (माई)**
जनरल सेक्रेटरी,महात्मा फुले शिक्षण संस्था,
उरुण-इस्लामपुर

**मा. ॲड. एन.आर.पाटील (काका)**
(अध्यक्ष, महात्मा फुले शिक्षण संस्था,
उरुण-इस्लामपुर)

**मा. सुनील पाटील**
(उपाध्यक्ष, महात्मा फुले शिक्षण संस्था,
उरुण-इस्लामपुर)

## परामर्श समिति

प्राचार्य (डॉ.) अशोक भोईटे, प्रा. (डॉ.) मोहन राजमाने, श्रीमती संगीता पाटील,
डॉ. पी. व्ही. गायकवाड, डॉ. संदीप पाटील, डॉ. प्रमोद गंगणमाले, प्रा.संतोष नांगरे

### सलाहकार समिति,

प्रो. डॉ. प्रकाश चिकुर्डेकर (य.च. वारणा महा., वारणानगर )
प्रा. मारुफ मुजावर (चं. शां. शेंडूरे महा., हुपरी)
डॉ. दिलीपकुमार कसबे ( स.गा.म. कॉलेज, कराड )
प्रो. डॉ. शकुंतला वाघ (ए.सी.एस. कॉलेज, पलूस)
प्रो. डॉ. रामचंद्र लोंढे (के.एन.पी. कॉलेज, वाळवा)
प्रो. डॉ. नितीन धवडे (मुधोजी कॉलेज, फलटण)
प्रो. डॉ. उत्तम थोरात (आदर्श कॉलेज, विटा)
डॉ. कृष्णात पाटील (शिव-शाहू महा., सरूड)
डॉ. हेमलता काटे (बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण )
डॉ. सरोज बिडकर (डॉ. घाळी कॉलेज, गडहिंग्लज )
प्रा. डॉ. सुरज चौगुले (वारणा महा. ऐतवडे खुर्द)

### स्थानीय संयोजन समिति

प्रा. सुजाता चोपडे,
प्रा. डॉ. संतोष खडसे,
प्रा. डॉ. घनश्याम कांबळे,
प्रा. डॉ. संदेश जिरगे,
प्रा. वंदना पाटील,
प्रा. सचिन गरुड,
प्रा. चंद्रकांत भारसकळे,
प्रा. डॉ. शंकर माने,
प्रा. डॉ. अमितराज माने,
प्रा. प्राजक्ता पाटील,
प्रा. पांडुरंग मोरे,
प्रो. डॉ. एकनाथ पाटील (राधानगरी कॉलेज, राधानगरी )
प्रा. शैलजा टिळे (आर्ट्स, कॉमर्स कॉलेज, आष्टा )
डॉ. नितीन कुंभार (डॉ.पतंगराव कदम कॉलेज, रामानंदनगर)
प्रा. निलेश डामसे (मालती वसंत दादा पाटील कन्या महा., इस्लामपुर)
डॉ. सचिन जाधव (डॉ.पतंगराव कदम कॉलेज, सांगली. )

लेखकों के लिए दिशा-निर्देश :

- शोध निबंध की शब्द सीमा 2000 से 2500 के बीच होनी चाहिए तथा लेख में शब्द सारांश (200 शब्द) एवं बीज शब्द /की वर्ड (4-6 शब्द ) का होना अनिवार्य है.
- शोधालेख अनुसंधान प्रक्रिया के तहत होना आवश्यक है, जैसे - प्रस्तावना, शोध विषय का विश्लेषण, निष्कर्ष आदि .
- शोधालेख के अंत में संदर्भ ग्रंथों और टिप्पणी का समुचित उल्लेख होना चाहिए.
- शोधालेख Arial Unicode MS Font अथवा Mangal Font में (A-4 Size, in MS Word File) में टाइप कर, वर्तनी दोष विरहित सॉफ्ट और हार्ड कॉपी में दि. 30 सितंबर, 2024 तक भेज सकते है .
- शोधलेख दाखिल करने के लिए क्लिक करे .

**पंजीकरण :** संगोष्ठी पंजीकरण के लिए क्लिक करे

https://forms.gle/Qqm9Tb2tSczzyahG8

केवल पंजीकरण शुल्क : 300 /-

प्राध्यापक के लिए पंजीकरण एवं प्रकाशन शुल्क (Single Author) : 1,000 /-

शोध छात्र के लिए पंजीकरण एवं प्रकाशन शुल्क : 800 /-

**(एक ही शोधालेख के एक से अधिक लेखकों के लिए पंजीकरण एवं प्रकाशन शुल्क अलग से रहेगा )**

**(गुगल पे / फोन पे द्वारा-8625937393 इस नंबर पर भेजा जा सकता है )**

**संगोष्ठी के संबंध में अपडेट पाने के लिए whatsapp group से जुड़े.**

https://chat.whatsapp.com/JCMM0tIGEVfB9hJNPnLzEz

सूचना : **(phone pay/ Google pay ऑनलाईन पेमेंट के बाद**
**Transaction Receipt भेजना अनिवार्य रहेगा.)**

शनिवार, दिनांक 5 अक्टूबर, 2024 को हमारे संस्थान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में हम आपकी सक्रिय सहभागिता की मनोकामना करते है


**संयोजक**
डॉ. प्रकाश आठवले
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
भ्रमणध्वनि: 9730139183

**सह संयोजक**
प्रा. अश्विनी थोरात
भ्रमणध्वनि: 9209106575
डॉ. जाविद शेख
भ्रमणध्वनि: 8625937393

**निमंत्रक**
प्रो. डॉ. सुनील बनसोडे
अध्यक्ष, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद
भ्रमणध्वनि: 8087303892

**सह निमंत्रक**
प्रो. डॉ. नाजिम शेख
सचिव, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद
भ्रमणध्वनि: 9860851877


सेवा में,
मा. ॲड. एन. आर. पाटील (काका)
अध्यक्ष, महात्मा फुले शिक्षण संस्था, उरुण - इस्लामपूर

प्रेषक :
प्र. प्रधानाचार्य,
कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर, तह. वालवा.
जि. सांगली 415 409 (महाराष्ट्र) भारत

सौजन्य: बँक ऑफ महाराष्ट्र, इस्लामपुर

कार्यक्रम का प्रारूप : शनिवार, दिनांक : 5 अक्तूबर, 2024

**उद्घाटन समारोह : 10 : 30 से 12 : 00**

स्वागत एवं प्रास्ताविक : डॉ. प्रकाश आठवले
(संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी )

अतिथि परिचय : डॉ. जाविद शेख.

उद्घाटक : मा. सरोज पाटील (माई)
(जनरल सेक्रेटरी, म. फु. शिक्षण संस्था, उरुण- इस्लामपुर)

बीजभाषक : प्रो. (डॉ.) अर्जुन चव्हाण
(पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग,शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर )

प्रमुख अतिथि : प्रो. (डॉ.) हूबनाथ पांडेय
(पूर्व अध्यक्ष , मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई )

अध्यक्ष : प्रो. (डॉ.) नितीन शिंदे
(प्र.प्रधानाचार्य, क. भा. पा. कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर)

**विशेष उपस्थिति :**

मा.ॲड. एन. आर. पाटील (काका)
(अध्यक्ष, महात्मा फुले शिक्षण संस्था, उरुण-इस्लामपुर)

मा. सुनील पाटील (साहेब)
(उपाध्यक्ष, महात्मा फुले शिक्षण संस्था, उरुण-इस्लामपुर)

प्रो. (डॉ.) सुनिल बनसोडे
(अध्यक्ष, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद)

प्रो. (डॉ.) नाजिम शेख
(सचिव, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद)

मा. अभिषेक राज
(प्रबंधक, बँक ऑफ महाराष्ट्र, शाखा- इस्लामपुर)

कृतज्ञता ज्ञापन : डॉ. विकास पाटील
(के. आर. पी. कन्या महाविद्यालय, इस्लामपुर)

सूत्र संचालन : प्रा. अश्विनी थोरात

**प्रथम सत्र : 12: 00 से 1:00**

विषय : हिंदी साहित्य और सामाजिक सरोकार

सत्र संचालक : डॉ. गोरखनाथ किर्दत
(यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, इस्लामपुर)

विषय विशेषज्ञ : प्रो. (डॉ.) विजयकुमार पाटील
(हिंदी विभाग प्रमुख , रानी पार्वती देवी कॉलेज, तिलकवाडी, बेलगाम- कर्नाटक)

अध्यक्ष : डॉ. दिलीपकुमार कसबे
(हिंदी विभाग ,स.गा.म. कॉलेज, कराड )

विशेष उपस्थिति : डॉ. पी.व्ही.गायकवाड
(उप-प्रधानाचार्य, क. भा. पा. कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर)

कृतज्ञता ज्ञापन : डॉ. सचिन जाधव
(डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय, सांगली )

सूत्रसंचालन : प्रा. शहिदा अत्तार
(के.आर.पी.कन्या महाविद्यालय, इस्लामपुर)

**भोजन अंतराल : 1: 00 से 2 : 00**

**द्वितीय सत्र : 2 : 00 से 3 : 00**

विषय : आलेख वाचन

सत्र संचालक : डॉ. अशोक मळे
(मालती वसंत दादा पाटील कन्या महाविद्यालय, इस्लामपुर)

आलेख प्रस्तोता :

विशेष उपस्थिति : डॉ. संदिप पाटील
(उप-प्रधानाचार्य, क. भा. पा. कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर)

अध्यक्ष : प्रा. मारुफ मुजावर
(चं.शां.शेंडूरे महा., हुपरी)

कृतज्ञता ज्ञापन : प्रा. महेश पाटील
(के. आर. पी. कन्या महाविद्यालय, इस्लामपुर)

सूत्रसंचालन : डॉ. नरसिंग एकिले.
( शिवराज महाविद्यालय, गडहिंग्लज)

## समापन समारोह

अध्यक्ष : प्रो. (डॉ.) सुनील बनसोडे
(अध्यक्ष, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद)

विशेष उपस्थिति : प्रो. (डॉ.) नितीन शिंदे
(प्र.प्रधानाचार्य, कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर)

कृतज्ञता ज्ञापन : डॉ. प्रकाश आठवले

सूत्र संचालन : प्रो. (डॉ.) वर्षाराणी सहदेव

# एक दिवसीय राष्ट्रीय चर्चा सत्र अहवाल

शनिवार, दिनांक 5 ऑक्टोबर 2024 रोजी महात्मा फुले शिक्षण संस्थेच्या कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण- इस्लामपूर मध्ये शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर, शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद आणि हिंदी विभाग, कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण- इस्लामपूर यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'भाषा और साहित्य का सामाजिक सरोकार : विविध आयाम' या विषयवर एक दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्राचे आणि शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषदच्या नवव्या वार्षिक अधिवेशनाचे आयोजन करण्यात आले होते.

या चर्चासत्र व अधिवेशनाचे उद्धाटन महात्मा फुले शिक्षण संस्थेचे अध्यक्ष अॅड. एन. आर. पाटील (काका) यांच्या हस्ते झाले. यावेळी संस्थेच्या मॅनेजिंग कौन्सिलचे सदस्य मा. दिलीप पाटील, मा.अनिल पाटील, प्रा. सौ. स्मिता पाटील उपस्थित होते. उद्धाटन सत्रामध्ये बीजभाषक म्हणून हिंदी साहित्याचे जेष्ठ समीक्षक, कवी, शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर हिंदी विभागाचे पूर्व अध्यक्ष, प्रो.डॉ. अर्जुन चव्हाण व या सत्राचे प्रमुख पाहुणे म्हणून राणी पार्वती देवी पदवी कॉलेज, तिलकवाडी बेळगाव कर्नाटकचे प्रो.विजयकुमार पाटील उपस्थित होते. या सत्राचे अध्यक्ष महाविद्यालयाचे प्राचार्य प्रो. डॉ.नितीन शिंदे उपस्थित होते. उद्धाटन सत्रामध्ये हिंदी विभागालीत सहाय्यक प्राध्यापक डॉ. जाविद शेख यांच्या 'साइकिल' या पुस्तकाचे प्रकाशन करण्यात आले तसेच हिंदी विभागाचे माजी विद्यार्थी डॉ. विकास पाटील यांना 'हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार' मिळाले बद्दल त्यांचा विशेष सत्कार करण्यात आला.

बीजभाषक डॉ.अर्जुन चव्हाण यांनी आपल्या मनोगतामध्ये प्रत्येक साहित्यकाराचा साहित्य आणि समाजाशी असणारा संबंध हिंदी कथा, कादंबरी आणि कवितांच्या माध्यमातून दर्शविला. तसेच हिंदी साहित्य वेळेनुसार बदलत आहे, भाषा व्यक्तिमत्व विकासा मध्ये महत्वाची भूमिका निभावते. भाषेशिवाय साहित्य नाही आणि साहित्य शिवाय भाषा नाही आणि समाजाशिवाय भाषा आणि साहित्याचे अस्तित्व नाही. तसेच लेखन करणे हिमतीचे काम आहे आणि लेखनासाठी आपल्या देशामध्ये पूर्ण स्वातंत्र्य आहे असे वक्तव्य केले. प्रमुख पाहुण्यांनी हिंदी साहित्याचा आदि काळापासून ते रीती काळापर्यंतच्या साहित्याचा समाजाशी असलेला संबंध व विविध काळात वापरण्यात आलेल्या भाषांचा आढावा घेतला. साहित्यकारांनी सामान्य जनतेला समजेल, रुचेल आणि पचेल आशा भाषेत लेखन करणे गरजेचे असल्याचे मत व्यक्त केले. या चर्चासत्राचे स्वागत व प्रास्ताविक प्रा.डॉ. प्रकाश आठवले यांनी केले. आभार प्रा.डॉ. विकास पाटील यांनी मानले व सूत्रसंचालन प्रा. अश्विनी थोरात यांनी केले.

प्रथम सत्राचे मुख्य वक्ता म्हणून मुंबई विद्यापीठातील हिंदी विभागातील पूर्व प्रोफेसर डॉ. हुबनाथ पाण्डेय उपस्थित होते. त्यांनी साहित्यकार आपल्या अनुभवाच्या माध्यमातून समाजासाठी लेखन करतात. आपण जी बोलतो ती भाषा आहे प्रत्येक साहित्यकाराची लिहीण्याची शैली वेगवेगळी असल्याचे मत प्रकट करत स्वरचित 'ईद', 'आदिवासी' आणि 'हिमती लडकियाँ' या कविता सादर केल्या. या सत्राचे अध्यक्ष सदगुरु गाडगे महाराज कॉलेज, कराडचे प्राध्यापक डॉ. दिलीपकुमार कसबे यांनी सामाजिक अनुभवांच्या आधारे लिहिलेलं साहित्य महत्त्वपूर्ण असते मग ते दलित साहित्य, स्त्री वादी साहित्य, आदिवासी साहित्य, किन्नर साहित्य, किसान साहित्य असे कोणतेही साहित्य असो असे वक्तव्य केले. या सत्रामध्ये विशेष उपस्थिती म्हणून महाविद्यालयाचे उपप्राचार्य डॉ. पी. व्ही. गायकवाड उपस्थित होते. या सत्राचे सत्र संचालक प्रा. मारुफ मुजावर हे होते. आभार प्रा. डॉ. गोरखनाथ किर्दत यांनी मानले व सूत्रसंचालन प्रा. शहिदा अत्तार यांनी केले.

समारोप सत्राचे प्रमुख पाहुणे मुधोजी कॉलेज, फलटणचे हिंदी विभाग प्रमुख प्रो.डॉ. नितीन धवडे होते तर अध्यक्ष हिंदी प्राध्यापक परिषदेचे सचिव प्रो. डॉ. नाजिम शेख होते. यावेळी परिषदेच्या वतीने हिंदी विषयाच्या ज्या प्राध्यापकांची प्रभारी प्राचार्य, प्रोफेसर, पीएच.डी. पदवी प्राप्त केली आहे व ज्या विद्यार्थ्यांनी बी.ए. परीक्षेत प्रथम क्रमांक प्राप्त केला आहे आशा सर्वांचा सत्कार करण्यात आला. यावेळी परिषदेतील कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित होते. सहभागी प्राध्यापकामधून डॉ.नरसिंग एकिले व दीपक जाधव यांनी आपली मनोगते व्यक्त केली. चर्चासत्राच्या समारोप सत्राचे आभार चर्चासत्राचे संयोजक प्रा.डॉ.प्रकाश आठवले यांनी मानले. सूत्रसंचालन प्रो. डॉ. वर्षाराणी सहदेव यांनी केले.

या एक दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्रामध्ये महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश अशा विविध राज्यांतून एकूण 160 प्राध्यापकांनी आपला सहभाग नोंदविला.त्यापैकी 91 प्राध्यापकांनी आपले शोधनिबंध सादर केलेले आहेत.सदर शोधनिबंध 'अक्षरा' या पत्रिकेच्या विशेष अंकामध्ये दोन खंडांमध्ये प्रकाशित करण्यात आलेले आहेत.

या चर्चासत्राचे संयोजन हिंदी विभाग प्रमुख प्रा.डॉ.प्रकाश आठवले, सहायक प्राध्यापिका अश्विनी थोरात आणि प्रा. डॉ. जाविद शेख यांनी केले होते. या राष्ट्रीय चर्चासत्रासाठी महात्मा फुले शिक्षण संस्थेच्या सचिव आदरणीय सरोज पाटील (माई), अध्यक्ष अड. एन. आर.पाटील (काका) उपाध्यक्ष, सुनील पाटील व अंतर्गत गुणवत्ता हमी कक्षाचे समन्वयक प्रा.डॉ. प्रमोद गंगनमाले यांचे मार्गदर्शन लाभले.

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे स्वागत व प्रास्ताविक करताना डॉ. प्रकाश आठवले संयोजक राष्ट्रीय चर्चासत्र व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपूर.

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे उद्घाटन करताना महात्मा फुले शिक्षण संस्थेचे अध्यक्ष मा. अड. एन. आर.

पाटील (काका)

राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या प्रमुख पाहुण्यांची ओळख करून देताना डॉ. जाविद शेख

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे बीजभाषण करताना प्रो.डॉ. अर्जुन चव्हाण पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे प्रमुख पाहुणे प्रा. विजयकुमार पाटील, हिंदी विभाग प्रमुख, रानी पार्वती देवी पदवी कॉलेज, तिलकवाडी, बेळगाव, कर्नाटक

राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या उद्घाटन सत्राचे अध्यक्ष मनोगत व्यक्त करताना कर्मवीर भाऊराव पाटील

कॉलेज, उरुण-इस्लामपूर चे प्राचार्य प्रो.डॉ. नितीन शिंदे

राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या उद्घाटन सत्राचे आभार व्यक्त करताना डॉ. विकास पाटील

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे प्रथम सत्राचे सत्र संचालन करताना प्रा. मारुफ मुजावर

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे प्रथम सत्रामध्ये महाविद्यालयाचे उप प्राचार्य डॉ.पी.व्ही.गायकवाड याचे स्वागत करताना प्रा.अश्विनी थोरात

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे प्रथम सत्राचे प्रमुख पाहुणे मुंबई विद्यापीठ, मुंबईचे प्रोफेसर डॉ. हूबनाथ

पाण्डेय मार्गदर्शन करताना.

राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या प्रथम सत्राचे अध्यक्ष प्रा.डॉ. दिलीपकुमार कसबे मार्गदर्शन करताना

राष्ट्रीय चर्चासत्राचे प्रथम सत्राचे आभार व्यक्त करताना डॉ. गोरखनाथ किर्दत

राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या समारोप सत्राचे प्रमुख पाहुणे मार्गदर्शन करताना प्रो. डॉ. नितीन धवडे

राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या समारोप सत्राचे अध्यक्षीय मार्गदर्शन करताना प्रो. डॉ. नाजिम शेख

राष्ट्रीय चर्चासत्रा मध्ये  सहभागी प्राध्यापक मनोगत व्यक्त करताना प्रो. डॉ. नरसिंग एकिले

राष्ट्रीय चर्चासत्रा मध्ये  सहभागी प्राध्यापक मनोगत व्यक्त करताना डॉ. दिपक जाधव

कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपूर, हिंदी विभागातील डॉ.जाविद शेख यांच्या 'सायकल' या कहानी संग्रहाचे प्रकाशन करताना मान्यवर .

राष्ट्रीय चर्चासत्रा मध्ये सहभागी प्राध्यापक

पुण्य नगरी

# लेखकांनी सामान्य माणसांच्या भाषेत लिहावे

## डॉ. अर्जुन चव्हाण

**इस्लामपूर / प्रतिनिधी**

लेखकांनी सामान्य जनतेला समजेल, रुचेल, पचेल अशा सामान्य माणसांच्या भाषेत लेखन करणे आवश्यक आहे. असे प्रतिपादन डॉ. अर्जुन चव्हाण यांनी केले. येथील कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेजमधील आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या उद्घाटन सत्रात ते बोलत होते. प्राचार्य डॉ. नितीन शिंदे अध्यक्षस्थानी होते. संस्थेचे अध्यक्ष ॲड. एन. आर. पाटील यांच्याहस्ते चर्चासत्राचे उद्घाटन झाले.

**इस्लामपूर : कर्मवीर कॉलेजमध्ये आयोजित राष्ट्रीय चर्चासत्रात बोलताना डॉ. अर्जुन चव्हाण. मंचावर ॲड.एन.आर.पाटील, डॉ. नितीन शिंदे, डॉ. विजयकुमार पाटील.**

डॉ. विजयकुमार पाटील, डॉ. हुबनाथ पाण्डे, डॉ. दिलीपकुमार कसबे यांची यावेळी भाषणे झाली. डॉ. नितीन धवडे समारोपसत्राचे प्रमुख वक्ते होते. डॉ. नाजिम शेख अध्यक्ष होते. डॉ. नरसिंग एकिले, दीपक जाधव यांनी मनोगते व्यक्त केली. चर्चासत्र यशस्वी करण्यासाठी संस्थेचे अध्यक्ष ॲड एन आर पाटील, जनरल सेक्रेटरी सरोज पाटील, उपाध्यक्ष सुनिल पाटील यांचे मार्गदर्शन मिळाले. यावेळी डॉ. पी.व्ही गायकवाड, दिलीप पाटील, डॉ. अनिल पाटील, प्रा. स्मिता पाटील, अभिषेक राज उपस्थित होते. डॉ. प्रकाश आठवले यांनी स्वागत केले. डॉ. विकास पाटील यांनी आभार मानले. प्रा. अश्विनी थोरात यांनी सूत्रसंचालन केले.

Sangli Edition
Oct 12, 2024 Page No. 03
Powered by: erelego.com

# भाषा व्यक्तिमत्व विकासामध्ये महत्वाची भूमिका बजावते

## डॉ. अर्जुन चव्हाण : कर्मवीरमध्ये हिंदी भाषेवर राष्ट्रीय चर्चासत्र

प्रतिनिधी

इस्लामपूर

भाषा व्यक्तिमत्व विकासामध्ये महत्त्वाची भूमिका निभावत असते. भाषेशिवाय साहित्य नाही आणि समाजाशिवाय भाषा व साहित्याचे अस्तित्व नाही. एकमेकांशी संलग्न असलेला हिंदी भाषेतला साहित्य व्यवहार आज काळानुसार बदलत आहे. लेखकांनी सामान्य जनतेला

येथील महात्मा फुले शिक्षण संस्थेच्या कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेजमधील हिंदी विभागाच्यावतीने 'भाषा और साहित्य का सामाजिक करार : विविध आयाम' या विषयावर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या उद्घाटन सत्रात बीजभाषक म्हणून ते बोलत होते.

प्राचार्य डॉ. नितीन शिंदे कार्यक्रमाचे अध्यक्ष होते. संस्थेचे अध्यक्ष

नववे वार्षिक अधिवेशन संपन्न झाले. डॉ. जाविद शेख यांच्या 'सायकल' पुस्तकाचे प्रकाशन करण्यात आले. हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार मिळाल्याबद्दल डॉ. विकास पाटील यांचा विशेष सत्कार करण्यात आला.

तसेच हिंदी भाषेत विशेष योगदान देणाऱ्या विद्यार्थी आणि प्राध्यापकांचाही सत्कार करण्यात आला. डॉ.

इस्लामपूर : राष्ट्रीय चर्चासत्रात बोलताना डॉ. अर्जुन चव्हाण. मंचावर ॲड. एन. आर. पाटील, डॉ. नितीन शिंदे, डॉ. विजयकुमार पाटील, डॉ. नाजिम शेख, दिलीप पाटील, डॉ. अनिल पाटील, प्रा. स्मिता पाटील आणि डॉ. प्रकाश आठवले.

डॉ. नाजिम शेख अध्यक्ष होते. डॉ. नरसिंग एकिले, दीपक जाधव यांनी

मार्गदर्शन मिळाले.

यावेळी उपप्राचार्य डॉ. पी

शाखेचे प्रबंधक अभिषेक राज उपस्थित होते. डॉ. प्रकाश आठवले

दैनिक जनप्रवास बातम्यांचा राजा

## थोडक्यात....

कर्मवीर कॉलेजमध्ये राष्ट्रीय चर्चासत्रात बोलताना डॉ. अर्जुन चव्हाण मंचावर ॲड. एन. आर. पाटील व इतर.

# लेखकांनी सामान्य माणसांच्या भाषेत लिहावे : डॉ. चव्हाण

जनप्रवास । इस्लामपूर

लेखकांनी सामान्य जनतेला समजेल, रुचेल, पचेल अशा सामान्य माणसांच्या भाषेत लेखन करणे आवश्यक आहे असे प्रतिपादन डॉ. अर्जुन चव्हाण यांनी केले.

येथील कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेजमधील उद्घाटन सत्रात ते बोलत होते. प्राचार्य डॉ. नितीन शिंदे कार्यक्रमाचे अध्यक्ष होते. संस्थेचे अध्यक्ष ॲड. एन. आर.पाटील यांच्या हस्ते चर्चासत्राचे उद्घाटन झाले. यावेळी डॉ. जाविद शेख यांच्या 'सायकल' पुस्तकाचे प्रकाशन झाले. हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार मिळाल्याबद्दल डॉ.विकास पाटील यांचा सत्कार करण्यात आला. डॉ. विजयकुमार पाटील, डॉ.हुबनाथ पाण्डे, डॉ.दिलीपकुमार कसबे यांची भाषणे झाली. डॉ. नितीन धवडे समारोपसत्राचे प्रमुख वक्ते होते. डॉ. नाजिम शेख अध्यक्ष होते. डॉ.नरसिंग एकिले, दीपक जाधव यांनी मनोगते व्यक्त केले. चर्चासत्र यशस्वी करण्यासाठी संस्थेचे अध्यक्ष ॲड.एन.आर.पाटील, सरोज पाटील, सुनिल पाटील यांचे मार्गदर्शन मिळाले. डॉ. पी. व्ही.गायकवाड, दिलीप पाटील, डॉ. अनिल पाटील, प्रा. स्मिता पाटील, अभिषेक राज उपस्थित होते.